

सीकचा पुं. (देश.) 1. सीखचा, लोहे की छड़ 2. बरामदे आदि के किनारे आड़ के लिए लगाया हुआ लकड़ी का वह ढाँचा जिसमें छड़ लगे होते हैं।

सीकर पुं. (तद्.) 1. पानी का छीटा, पानी की बूँद, जलकण 2. वर्षा की फुहार 3. ओस की बूँद, तुषार 4. जंजीर, सीकड़।

सीकरनवारी वि. (तद्.) 1. सीकड़वाली, जंजीर वाली 2. जकड़ने या बाँधने वाली।

सीकल पुं. (देश.) डाल का पका हुआ आम स्त्री. (अर.) हथियारों की धार तेज करने और उन्हें चमकाने के लिए की जाने मँजाई/सिकली।

सीकस पुं. (देश.) ऊसर।

सीका पुं. (तद्.) स्त्रियों का एक स्वर्ण-आभूषण जो सिर पर पहना जाता है।

सीकाकाई स्त्री. (देश.) एक प्रकार का वृक्ष जिसकी फलियाँ रीठे की तरह सिर के बाल आदि साफ करने के काम में आती हैं।

सीकामंद वि. (अर.+फा.) सलीकेदार, जिसे सलीके का ज्ञान हो, व्यस्थित, तमीज़दार, शिष्ट।

सीकिंया वि. (देश.) सीक के समान दुबला-पतला।

सीकी स्त्री. (देश.) चवन्नी (दलाल)।

सीकुर पुं. (तद्.) शूक, गेहूँ, जौ, धान आदि की बालों में निकलने वाले सूत की तरह पतले और नुकीले अंग।

सीख पुं. (तत्.) शीर्षक, शीर्ष।

सीख स्त्री. (तद्.) 1. शिखा 2. उपदेश 3. परामर्श 4. सलाह 5. शिष्य।

सीखचा पुं. (फा.) सीखना, सीख।

सीखना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी से किसी विषय का ज्ञान प्राप्त करना 2. अपने आप अभ्यास द्वारा कोई बात सीखना 3. कटु अनुभव से किसी नीति की शिक्षा ग्रहण करना।

सीखपर पुं. (देश.) एक पक्षी जो बहुत सुंदर होता है, प्रायः पानी में रहता है तथा जिसकी दुम के बीच के दो पर सीक जैसे लंबे होते हैं।

सीगा पुं. (अर.) 1. साँचा, ढाँचा 2. कार्य, व्यापार आदि का कोई विशिष्ट विभाग 3. मुसलमानों में विवाह के समय कहे जाने वाले कुछ विशिष्ट अरबी वाक्य।

सीझ वि. (तद्.) 1. सिद्ध 2. तैयार स्त्री. 1. सिद्धता 2. तैयारी।

सीझना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु का उपयोग के लिए तैयार होना, सिद्ध होना 2. आग पर पकना 3. आग में पड़कर जलना/भस्म होना 4. ताप सहना 5. तपस्या करना 6. वृक्ष की ताजी कटी लकड़ी का सूख कर दृढ़ होना 7. मृत पशुओं के सूखे चमड़े का मसाले आदि के प्रयोग से भीग कर कोमल और मजबूत होना 8. ब्याज, दलाली आदि में धन मिलना।

सीट स्त्री. (अं.) 1. बैठने का स्थान 2. बैठने की वस्तु (कुर्सी आदि) 3. पाजामा, पतलून आदि का नितम्ब पर आने वाला भाग।

सीटना अ.क्रि. (देश.) 1. गर्वपूर्वक बोलना 2. डींग मारना, शेखी बघारना।

सीट-पटाँग स्त्री. (देश.) बहुत बढ़-चढ़कर की जाने वाली बातें, आत्म प्रशंसा की घमंड-भरी बात, डींग।

सीटी स्त्री. (अनु.) 1. जीभ दबाकर तथा होंठ सिकोड़कर गोल करते हुए, वायु को वेगपूर्वक बाहर निकलने से उत्पन्न की जाने वाली तेज ध्वनि 2. रेलगाड़ी आदि की उक्त प्रकार की ध्वनि जो प्रायः एक प्रकार के छोटे उपकरण से निकाली जाती है 3. एक विशेष प्रकार का छोटा उपकरण जिससे मुँह से बजाया जाकर उक्त प्रकार की ध्वनि निकाली जाती है।

सीठ स्त्री. (तद्.) सीठी, पत्ते, फाँक, फल आदि का वह अंश जो रस निचोड़ लेने पर शेष बचता है।

सीठा वि. (तद्.) 1. बचा हुआ सारहीन अंश 2. नीरस, फीका।

सीड़ पुं. (तद्.) नाक के भीतर से निकलने वाला मल/कफ।